(5) बनारस घराना : बनारस घराना के सर्वप्रथम तबला वादक पं० राम सहाय जी लखनऊ के उ० मोदू खाँ के शिष्य थे। उनके भाई पं० गौरी सहाय के पुत्र पं० भैरोंसहाय तथा पौत्र पं० बलदेव सहाय तथा प्रपौत्र पं० दुर्गा सहाय प्रसिद्ध तबला वादक हुये। बनारस के पं० कंठे महाराज पं० बलदेव सहाय के शिष्य थे। पं० कंठे महाराज के भतीजे पं० किशन महाराज का नाम प्रसिद्ध तबला वादक के रूप में याद किया जाता है। पं० बाचा मिश्र के पुत्र पं० सामता प्रसाद उर्फ गोदई महाराज को भारत का बच्चा-बच्चा जानता है। ना धिंधिंना के बादशाह पं० अनोखे लाल मिश्र पं० भैरो मिश्र के शिष्यों में अग्रगण्य थे। इसी तरह बनारस घराने में अनेक विद्वान पैदा हुये।

(6) पंजाब घराना : अभी तक के पाँचों घराने एक दूसरे से सम्बद्ध हैं जिनका उद्‌गम दिल्ली घराना ही है। पंजाब घराना अपने-आप में स्वतंत्र घराना है। यहाँ हुसैन बख्श तथा उनके पुत्र उ० फकीर बख्श तालशास्त्र के विद्वान थे। फकीर बख्श के शिष्य करमइलाही तथा मलन खाँ साहब और पुत्र उ० कादिर बख्श प्रसिद्ध तबलची थे। उनके शिष्य प्रसिद्ध तबला वादक उ० अल्लारखाँ हैं। उ० अल्लारक्खा खाँ के पुत्र श्री जाकिर हुसैन आज के प्रसिद्ध तबला वादकों में एक हैं।

प्रश्न और अभ्यास :

1. घराना शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुये दिल्ली घराना के उस्तादों का नाम बतावें।
2. घराना शब्द पर प्रकाश डालते हुए किन्हीं दो घराना का वर्णन करें।
3. बनारस घराने एवं पंजाब घराने के तबला वादकों का नाम लिखें।
4. घरानों की उत्पत्ति के बारे में अपनी विचार रखें।